घोघरडीहा प्रखण्ड स्वराज्य विकास संघ,जगतपुर,मधुबनी

मेघ पाईन अभियान

केश स्टडी 2010

मेघ पाइन अभियान ने सामाजिक कार्यकर्त्ता बना दिया

नाम :- फुलो देवी
पति :- सियाराम सदाय
उम्र : - 36वर्ष,
जाति : - दलित (मुसहर)
गाँव : -हरडी एकडारारही,
पंचायत : - हरडी,
प्रखण्ड :- अंधराठाढी
जिला : - मधुबनी ,बिहार
परिवार मे कुल सदस्य: -
महिला - 6, पुरुष - 2 कुल - 8

परिवारिक स्थिति : -

फुला देवी हरडी एकडारारही गाँव की एक गरीब घरेलू महिला थी उनके पास खेती की जमीन नहीं था । अपने छ बच्चों के साथ गाँव-घर मे मजदूरी करके तथा इनके पति पंजाब जाकर मौसमी मजदूरी कर जो कुछ पैसा लाते थे उससे भरण-पोषण करती थी। समयाभाव के कारण सही समय पर सफाई नहीं करने, चापाकल के आसपास गंदगीं तथा जनचेतना के अभाव के कारण परिवार के अधिकर सदस्य उल्टी,गैस्ट्रीक,कब्जियत,शरीर में जलन जैसे बिमारी से पिडित रहते थे तथा इनके इलाज में सालाना 6000/- रु तक खर्च हो जाती थी । न्युनतम आयश्रोत एवं बीमारी में खर्च अधिक होने के कारण परिवारिक स्थिति दयनीय हो गई ।

गाँव की भौगोलिक स्थिति : -

हरडी एकडारारही गाँव पंचायत- हरडी से 1 KM से उत्तर-पुर्व,प्रखण्ड - अंधराठाढी से 7 KM दक्षिण तथा जिला मुख्यालय - मधुबनी से लगभग 50 KM दक्षिण-पुर्व में अवस्थित हैं । यह गाँव कमला नदी के पुर्वी तटबंध से लगभग 3 KM पुर्व तथा कोसी के मुख्य नहर के पश्चिमी तटबंध पर बसे होने के कारण प्रत्येक साल बाढ आती है । कारण यहॉ का जिविका का मुख्य साधन कृषि एव मछली पालन नष्ट हो जाता हैं जिसके कारण यहॉ के अधिकतर गरीब मजदूर एवं छोटे किसान पलायन कर पंजाब एवं हरियाना मजदूरी करने चले जाते हैं प्रायः बाढ़ के समय जुलाई से दिसम्बर तक यह लोग बाहर ही मजदूरी करते हैं क्योंकि यह समय यहॉ या तो बाढ़ या सुखाड़ पर जाने के कारण

इललोगों का जिविका चलाना मुश्किल हो जाती है। यहॉ पानी का स्थिति ऐसा हो जाता हे कि बाढ़ के कारण जमीन में बालु भर जाता है तथा फसल नष्ट हो जाता है एवं सुखाड़ के कारण मेहनत करने बाद भी पैदावार नहीं होता है । यहॉ तक कि यहॉ पानी भी दूषित हो जाते हे। मनुष्य को पीने का स्वच्छ जल उपलब्ध नहीं हो पाता है।

गॉव में जातिगत परिवार की संख्या
दलित(मुसहर) –35 परिवार; यादव –15 परिवार कुल –50 परिवार

चुनौती:

वर्षा जलको आधुनिक पेय जलश्रोत के रुप में पहचान बनाना ।

प्रयास

2007 में घोघरडीहा प्रखण्ड स्वराज्य विकास संघ,जगतपुर,मधुबनी एवं मेघ पाइन अभियान के

द्वारा समग्र जल प्रबंधन पर विभिन्न चेतनामूलक कार्यक्रम का शुरुआत हुई तो चर्चा के दौरान एक समिति बनाकर दुषित जल एवं गंदगी से होने बिमारी,परेशानी एवं इसका उपाय के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया तथा चापाकल का पानी भी अमरुद के पत्ते एवं वैज्ञानिक पद्धति से पानी जाँच करके इसमे मौजुद आयरन की अधिकता एवं उससे होने वाले दु:प्रभाव के बारे मे विस्तृत जानकारी दिया गया । मेघ पाइन अभियान के कार्यकर्त्ता द्वारा मटकाफिल्टर एवं वर्षाजल की शुद्धता तथा उसके उपयोग एवं उससे होने वाले लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया । इन्हे अमरुद के पत्ते से पानी जाँच करने का प्रशिक्षण भी दिया गया । इन्हे वर्षाजल भण्डारण एवं मटकाफिल्टर का प्रयोग के बारे मे विस्तृत जानकारी देते हुए तत्काल वर्षाजल भण्डारण के लिए एक पोलिथिन टांग दिया गया तथा उससे वर्षाजल भण्डारण का तरिका जैसे वर्षा शुरु होते ही पहले 10 मिनट पोलिथिन को साफ होने के लिए छोड दें फिर साफ होने के बाद नीचे साफ बाल्टी,साफ बर्तन रखकर या सीधे पोलीथीन के द्वारा जलकोठी मे जमा करें तथा वर्षा समाप्त होते ही उसे ढककर रखें ।

उपलब्धि :

मेघ पाइन अभियान के कार्यकर्त्ता द्वारा जलकोठी एवं वर्षाजल की शुद्धता तथा उसके उपयोग एवं उससे होने वाले लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी देने के बाद फुलो देवी पहले

खुद वर्षाजल का प्रयोग शुरु किया तो इनकी पेट की गैस एवं खुद 10 वर्ष से शरीर में जलन से पिडीत थी वह जलन की समस्या में काफी सुधार महशुस करने लगी और इन्हे विश्वास हो गया कि वर्षाजल शुद्ध जल है । आज यह पुरे परिवार वर्षाजल का प्रयोग करते हैं तथा बिमारी में खर्च होने वाले लगभग 6000/- रु अपने परिवार का विकास एवं कृषि में लगाते हैं । सितम्बर 2009 में इनके परोसी कुमरी देवी पति श्री बिदेश्वर सदाय का लडका झारी सदाय 15 वर्ष को जोन्डिस हो गया था उसे वर्षाजल की शुद्धता एवं उपयोगिता के बारे बतायी, इतना ही नही इन्हें 10 लीटर वर्षाजल भी दी । MPA द्वारा गठित समिति का सदस्य होने के नाते ये अपने समाज में वर्षाजल की शुद्धता तथा उसके उपयोग एवं उससे होने वाले लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी देने के बाद बिमारी के स्थिति में जमा किये हुए वर्षाजल देकर निम्न व्यक्ति को भी सहयोग किये:

क्रम संख्या	नाम	पिता/पति का नाम	बिमारी का नाम
1.	शिवा देवी	धनपति सदाय	गैस्ट्रिक
2.	सितिया देवी	गणपति सदाय	शरीर में जलन
3.	समतोलिया देवी	श्रवण सदाय	उल्टी
4.	सुनिता देवी	घुरन सदाय	जोन्डिस

इसके बाद इनसे सहयोग लेकर 1. सोमनी देवी पति ललन सदाय, 2. रामकुमारी देवी पति फेकन सदाय, 3. शीतली देवी पति रशिलाल सदाय ने भी वर्षाजल जमा कर रही है । जिसको फुलो देवी खुद का उपलब्धि बताते हुए यह दूत की तरह अपने आस परोस ही नहीं जहाँ भी जाती है वर्षाजल की शुद्धता एवं उपयोगिता के बारे बताती है । खुद को एक समाजसेविका के रुप में पहचान बनाना चाह रही है ।

सीख

वर्षाजल की शुद्धता एवं उपयोगिता के बारे यदि जानकारी हो तो इसे आधुनिक जलश्रोत के तरह प्रयोग कर कम खर्च में कुछ बिमारीयों से बचा जा सकता है तथा स्वस्थ रहते हुए समाज के बीच एक उदाहरण बना जा सकता है ।